मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 146 ■ सोमवार, 25 अगस्त 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com FOLLOW US NEWS LIVE Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

फेक समझकर ब्लॉक किया गया श्रद्धा कपूर का अकाउंट

भारी बारिश के बाद बीमारियों का खतरा

■ नागरिकों से मनपा ने की सावधानी बरतने की अपील

उल्हासनगर. भारी बारिश के कारण जलभराव, नालियों के जाम होने और पानी की आपूर्ति के दूषित होने की संभावना बढ़ गई है। इसके कारण जल जनित बीमारियों के फैलने का खतरा काफी बढ़ गया है। इसी पृष्ठभूमि में मनपा प्रशासन ने नागरिकों से सार्वजनिक रूप से सावधानी बरतने की अपील की है।

राज्य में भारी बारिश जारी है। इसके कारण नदियाँ, नाले और बाँध उफान पर हैं और बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। उल्हासनगर, अंबरनाथ तालुका में भारी बारिश हो रही है और इस बारिश के कारण पानी और भी गंदा हो गया है। इसके कारण नागरिकों को पीने के पानी को उबालकर पीने, घरेलू पानी की टंकियों और बर्तनों को साफ और ढककर रखने, रुके हुए पानी और खुली नालियों से बचने जैसे कई सुझाव दिए गए हैं।

इसके साथ ही, यदि आपके क्षेत्र में पानी की पाइपलाइन फटी हुई दिखाई दे, तो उसे तुरंत ठीक करवाया जाना चाहिए। साथ ही, नाले से गुजरने वाली पानी की पाइपलाइन को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। मानसून के दौरान जल जनित रोगों की रोकथाम के लिए रासायनिक उपचार किया जाता है। हालाँकि, नागरिकों को इस दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने के निर्देश जारी किए हैं। यह भी अपील की है कि 'नागरिकों द्वारा स्वच्छता के नियमों का सख्ती से पालन करने पर ही जल जनित रोगों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।'

पानी उबालकर छान लें

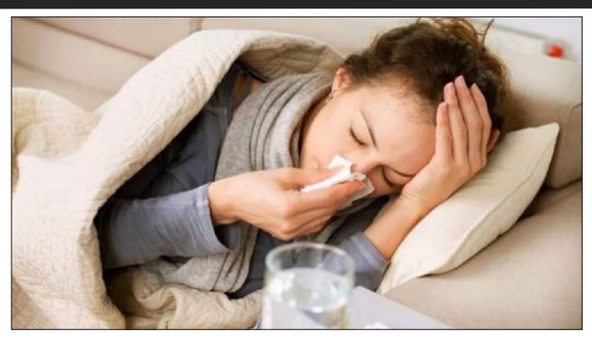

नागरिकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पानी की पाइप लाइन उस क्षेत्र से होकर न गुज़रे। यदि पाई जाती है, तो उक्त पाइप लाइन को सीवर से हटाकर किसी सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर देना चाहिए। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उसमें कोई रिसाव न हो। यदि रिसाव हो, तो पाइपलाइन को तुरंत बदल दिया जाना चाहिए और रिसाव को रोका जाना चाहिए। बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले उपभोक्ताओं को जल भंडारण टैंकों की सफाई करनी चाहिए।

मौसमी बीमारियों के खतरे एवं बचाव के उपाय

इसके अलावा भारी बारिश के मौसम में बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, खासकर संक्रामक बीमारियाँ जैसे डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, और पेट के संक्रमण. पानी जमा होने से मच्छर पनपते हैं जो डेंगू और मलेरिया फैलाते हैं. दूषित पानी से टाइफाइड और हैजा जैसी बीमारियाँ हो सकती हैं. इसके अलावा, फंगल इन्फेक्शन और त्वचा एलर्जी भी आम हैं.

बारिश के मौसम में बीमारियों के खतरे:

मच्छर जनित बीमारियाँ: डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया.
जल जनित बीमारियाँ: टाइफाइड, हैजा, डायरिया, हेपेटाइटिस.
वायरल संक्रमण: फ्लू, सर्दी, जुकाम, बुखार.
फंगल संक्रमण: त्वचा पर खुजली, दाद, खाज.
अन्य: लेप्टोस्पायरोसिस, पेट के संक्रमण.

बचाव के उपाय:

पानी को जमा न होने दें.
मच्छरों से बचाव के लिए उपाय करें (मच्छरदानी, मच्छर भगाने वाली क्रीम).
स्वच्छता का ध्यान रखें, हाथों को बार-बार धोएं.
उबला हुआ या फ़िल्टर किया हुआ पानी पिएं.
बाहर का खाना खाने से बचें.
त्वचा को सूखा और साफ रखें.
रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए स्वस्थ भोजन करें.
यदि आपको कोई भी लक्षण महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें.

उल्हासनगर पुलिस का ऑपरेशन ऑल आउट

251
पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल

उल्हासनगर. गणेश उत्सव और ईद की पृष्ठभूमि में, पुलिस परिमंडल-4 ने शनिवार रात 12 बजे से सुबह 3 बजे के बीच ऑपरेशन ऑल आउट चलाया और विभिन्न अपराधों के लिए 8 लोगों को गिरफ्तार किया और 52 लोगों को नोटिस जारी किए। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने बताया कि 296 वाहनों की जाँच की गई और 86,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

त्योहारी सीज़न में शांति बनाए रखने के लिए, पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के आदेश पर उल्हासनगर पुलिस परिमंडल-4 के क्षेत्र में शनिवार रात 12 बजे से सुबह 3 बजे तक ऑपरेशन ऑल आउट चलाया गया। इसके लिए सहायक पुलिस आयुक्त को छापेमारी और तलाशी अभियान का नेतृत्व दिया गया और इसमें 46 पुलिस अधिकारियों सहित 205 पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। शराबबंदी मामले में 9 लोगों को नोटिस दिए गए और मामले दर्ज किए गए। नशीली दवाओं के सेवन के मामले में 10 मामले, तंबाकू सेवन के मामले में 27 मामले और 5 में से 3 लोगों को वारंट जारी किए गए। 146 मामलों में 6 में से 4 गैंगस्टर गिरफ्तार किए गए और 2 को नोटिस दिए गए। 96 लॉज और बार का निरीक्षण किया गया और 154 हिस्ट्रीशीटरों का निरीक्षण किया गया।

86,500 रुपये का वसूला गया जुर्माना

पुलिस ने ऑपरेशन ऑल आउट में विभिन्न अपराधों में 8 लोगों को गिरफ्तार किया है और कुल 54 नोटिस जारी किए हैं। 4 में से 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया और एक को शस्त्र अधिनियम के तहत नोटिस दिया गया। 33 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। कुल 8 अलग-अलग चौकियों पर 296 वाहनों का निरीक्षण किया गया और ट्रैफिक पुलिस की मदद से उन पर 86,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

उल्हासनगर महानगरपालिका का अजब कारोबार

■ सहायक निदेशक नगर रचनाकार की नियुक्ति के 4 दिन बाद ही सेवानिवृत्ति

उल्हासनगर. मनपा सहायक निदेशक नगर रचनाकार ललित खोब्रागड़े के तबादले के बाद अजय साबले की नियुक्ति की गई। विभाग की पहचान बनने से पहले ही साबले का तबादला कर राजेंद्र हेले की नियुक्ति कर दी गई। हालांकि, चार दिन के भीतर ही हेले के सेवानिवृत्त होने से मनपा अधिकारी की नियुक्ति को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

उल्हासनगर महानगरपालिका में वर्ग-1 और 2 के 70 प्रतिशत पद रिक्त हैं और नगर अभियंता तथा कार्यकारी अभियंता के पद वर्षों से रिक्त हैं। इससे हजारों करोड़ रुपये के विकास कार्यों पर प्रश्नचिह्न लग गए हैं। वहीं दूसरी ओर, सबसे विवादास्पद नगर रचनाकार विभाग फिर से चर्चा में आ गया है। जून में सहायक निदेशक नगर रचनाकार ललित खोब्रागड़े का तबादला कर अजय साबले को सहायक निदेशक नगर रचनाकार नियुक्त किया गया था। विभाग की पहचान बनने से पहले ही साबले का तबादला कर राजेंद्र हेले को उनकी जगह नियुक्त कर दिया गया। हालांकि, हेले चार दिनों के भीतर 30 जून को सेवानिवृत्त हो गए।

सहायक निदेशक शहरी योजनाकार का पद 1 जुलाई से खाली हो गया था। सरकार ने एक ऐसे अधिकारी को कैसे नियुक्त किया जो चार दिनों में सेवानिवृत्त हो रहा था? यह सवाल नागरिकों सहित राजनीतिक नेताओं द्वारा उठाया गया था।

जब मुख्यालय की डिप्टी कमिश्नर दीपाली चौगुले से मनपा के सहायक निदेशक शहरी योजनाकार राजेंद्र हेले की सेवानिवृत्ति और नियुक्ति के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें सोमवार को डाक द्वारा हेले का नियुक्ति पत्र मिला। उन्होंने यह भी बताया कि वह 30 जून को सेवानिवृत्त हुए। अजय साबले के स्थानांतरण के बाद, क्या हेले को केवल चार दिनों के लिए नियुक्त किया गया था? राजेंद्र हेले की सेवानिवृत्ति के बाद सहायक निदेशक शहरी योजनाकार कौन होगा? यह सवाल पूछा गया है। सरकार और मनपा प्रशासन के बारे में शहर में तर्क-वितर्क किए जा रहे हैं।

उल्हासनगर मनपा में विरोध प्रदर्शन

■ मज़दूर नेता का गुस्सा बेकाबू

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका द्वारा मज़दूरों की मांगों की लगातार अनदेखी से मज़दूर नेता राधाकृष्ण साठे का गुस्सा आखिरकार चरम पर पहुँच गया। उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू किया और प्रशासन का ध्यान अपनी ओर खींचा। पिछले आठ दिनों से नियुक्ति फ़ाइल में हो रही देरी से मज़दूर वर्ग नाराज़ है और इस विरोध प्रदर्शन की पूरे शहर में चर्चा हो रही है।

उल्हासनगर महानगरपालिका द्वारा मज़दूरों की नियुक्ति के फ़ैसले में देरी हो रही है। मज़दूरों के धैर्य की अनदेखी करने के महानगरपालिका के रवैये के ख़िलाफ़ मज़दूर नेता राधाकृष्ण साठे ने आखिरकार अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। मज़दूरों की नियुक्ति फ़ाइल पिछले आठ दिनों से उपायुक्त के पास हस्ताक्षर के लिए इंतज़ार कर रही है।

युवक ने की वृद्धा की हत्या

■ पुलिस ने पाँच दिन में सुलझाया मामला
■ आरोपी गिरफ्तार

ठाणे. ग्रामीण पुलिस की स्थानीय अपराध शाखा ने शहापुर तालुका के एक फार्महाउस में एक बुजुर्ग महिला की हत्या और फिर उसके गहने चुराने के बाद एक अन्य बुजुर्ग महिला पर हमला करने के मामले का खुलासा किया है। कपड़े की दुकान चलाने वाला युवक कर्ज में डूबा हुआ था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसी मकसद से उसने यह अपराध किया।

ठाणे के घोड़बंदर इलाके के पातलीपाड़ा निवासी नरेश दलवानी (57) का शहापुर तालुका के गांडुलवाड़ में एक फार्महाउस है। आरोपी ने इसी फार्महाउस में घुसकर नरेश की बहन वीना हरपलानी (75) की हत्या कर दी। बाद में, उसने उसके गले से सोने की चेन और हाथों से चूड़ियाँ चुरा लीं। साथ ही, आरोपी ने नरेश की 97 वर्षीय माँ लक्ष्मी दलवानी पर हथियार से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। हत्या और हत्या के प्रयास का यह मामला 18 अगस्त की रात 8 बजे से अगले दिन सुबह 10 बजे के बीच हुआ। इस मामले में किन्हवली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

अपराध की गंभीरता को देखते हुए, ठाणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक डॉ. डी.एस. स्वामी ने तुरंत घटनास्थल का दौरा किया। स्थानीय अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुरेश मनोरे के मार्गदर्शन में पुलिस उप-निरीक्षक महेश कदम, रोहन शेलार और दीपेश किनी की एक टीम इस अपराध की समानांतर जाँच कर रही थी। इस टीम ने इलाके में काम करने वाले मज़दूरों और स्थानीय नागरिकों से पूछताछ की। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर, अपराध का खुलासा करने के बाद शिवाजी धासडे (27) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि उसने अपना अपराध कबूल कर लिया है। आरोपी को किन्हवली पुलिस को सौंप दिया गया है।

स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस उप-निरीक्षक दीपेश किनी ने बताया कि शाहपुर तालुका के ढाकणे निवासी आरोपी शिवाजी ने डोलखांब में कपड़ों की दुकान खोली थी। हालाँकि, वह कर्ज़ में डूबा हुआ था। चूँकि आगे त्योहार और उत्सव होने वाले थे, इसलिए वह दुकान के लिए कपड़े खरीदना चाहता था। इसके लिए, आरोपी ने चोरी के गहने तुरंत बेच दिए।

व्यस्त केबी रोड पर सज गए गणेश कला मंदिर

■ ट्रैफिक जाम की स्थिति और बिगड़ने की आशंका
■ नगरपालिका की भूमिका पर ध्यान

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर से होकर गुजरने वाला कल्याण-बदलापुर राज्य राजमार्ग सुबह और शाम के व्यस्त समय में हर दिन भीड़भाड़ से भरा रहता है। शाम के समय इस सड़क पर वाहनों की बढ़ती संख्या रोज़ाना जाम जैसी स्थिति पैदा कर रही है। इसी तरह, लादी नाका, विमको नाका, मटका चौक क्षेत्र में इस सड़क पर गणेश कला केंद्र और मखर बेचने वाली दुकानें स्थापित हो गई हैं। इस क्षेत्र में वाहन सीधे राज्य राजमार्ग पर ही पार्क होने लगे हैं। इसलिए, वास्तविक गणेश उत्सव से पहले यहाँ जाम लगने का डर है।

कल्याण-बदलापुर राज्य राजमार्ग वर्तमान में सबसे व्यस्त सड़क है। अगर किसी भी कारण से इस सड़क पर कहीं भी जाम लग जाता है, तो लंबे समय तक जाम में फंसना पड़ता है। इस सड़क पर कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं है। इस मार्ग पर अंबरनाथ शहर से गुजरते समय तीन सिग्नल पर रुकना पड़ता है। मटका चौक, महात्मा गांधी स्कूल, पुलिस स्टेशन के सामने का चौक, विमको नाका, उसके बगल का चौक, लादी नाका, इन इलाकों में अक्सर अनियंत्रित वाहन चालकों, सड़क पर पार्किंग, ठेले और भारी वाहनों के कारण ट्रैफिक जाम रहता था। शाम के समय इन सभी चौकों पर वाहनों को मुड़ते समय काफी मशक्कत करनी पड़ती है। सिग्नल वाले इन चौकों पर भी अनियंत्रित वाहन चालक परेशान रहते हैं।

इस मार्ग पर कई वाहन सड़क के किनारे पार्क किए जाते हैं। इस वजह से ट्रैफिक जाम होता है। अंबरनाथ नगर पालिका के मुख्य अधिकारी उमाकांत गायकवाड़ ने सड़क के किनारे लगी दुकानों और अतिक्रमणों को हटाकर रास्ता साफ किया था। हालांकि, गणेशोत्सव के पूर्व इन व्यस्त चौकों में गणेश कला केंद्र और सजावट सामग्री और मखरा की दुकानें खुल गई हैं। इन दुकानों के आसपास वाहन पहले से ही पार्किंग में लगने लगे हैं। मटका चौक में सिग्नल के पास दो दुकानें हैं। आने वाले समय में, गणेशोत्सव से पहले, गणेश भक्तों और उनके वाहनों की भीड़ के कारण यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए, यातायात जाम की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। बताया जा रहा है कि अंबरनाथ नगर पालिका ने राज्य राजमार्ग पर इन दुकानों को खोलने की अनुमति दे दी है। बताया जा रहा है कि नगर पालिका में ही इस पर आम सहमति नहीं बन पा रही है।

आसनगांव स्टेशन पर जानलेवा शॉर्टकट

आसनगांव. शाहपुर तालुका में मध्य रेलवे के आसनगांव स्टेशन पर रेल यात्री सीढ़ियाँ चढ़ने की परेशानी से बचने के लिए, अपनी जान की परवाह किए बिना, स्टेशन की सुरक्षा दीवार में एक बड़े से छेद से होकर रिक्शा या अन्य वाहन पकड़ने के लिए दौड़ते दिखाई देते हैं। मध्य रेलवे के आसनगांव स्टेशन से प्रतिदिन हजारों यात्री मुंबई उपनगरों की यात्रा करते हैं। शाम को जल्दी घर पहुँचने की जल्दी में, यात्री ट्रैक पर जानलेवा शॉर्टकट का इस्तेमाल करते देखे जाते हैं। यह रास्ता मौत का शॉर्टकट बन सकता है। ट्रैक पार करते समय यात्रियों को कसारा की ओर से आने वाली एक्सप्रेस, मालगाड़ियों और लोकल ट्रेनों का भी पता नहीं चलता, इसलिए दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

उल्हासनगर पुलिस द्वारा रूट मार्च

■ शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने पुलिस सतर्क
■ संवेदनशील इलाकों में गश्त
■ बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी शामिल

उल्हासनगर. आगामी गणेशोत्सव और ईद-ए-मिलाद त्योहारों की पृष्ठभूमि में उल्हासनगर पुलिस ने उल्हासनगर शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक रूट मार्च निकाला। इस रूट मार्च का नेतृत्व पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे और सहायक पुलिस आयुक्त अमोल कोली ने किया। पुलिस ने शहर के संवेदनशील इलाकों में गश्त की और स्थिति को नियंत्रण में किया। इस बल प्रदर्शन में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन, सेंट्रल पुलिस स्टेशन और उल्हासनगर पुलिस स्टेशन के बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। पुलिस ने बताया कि इस रूट मार्च का मुख्य उद्देश्य गणेशोत्सव को शांतिपूर्ण और खुशहाल माहौल में मनाना और शहर के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था।

शिलफाटा से रांजनोली तक ट्रैफिक जाम से मिलेगी मुक्ति

21
किलोमीटर का बनेगा फ्लाईओवर

25
मिनट में तय होगी डेढ़ घंटे की दूरी

परामर्शदाता फर्म की नियुक्ति के लिए निविदाएं आमंत्रित

कल्याण. महामुंबई के सबसे अधिक ट्रैफिक वाले इलाके के रूप में बदनाम शिलफाटा-कल्याण से राजनोली तक 21 किलोमीटर की दूरी को फ्लाईओवर के जरिए पार करने की पहल एमएमआरडीए प्रशासन ने की है। फिलहाल, हजारों वाहन चालकों को इस रास्ते पर घंटों जाम में फंसना पड़ता है। प्रशासन का दावा है कि फ्लाईओवर के कारण यह दूरी महज 25 मिनट में तय की जा सकेगी। इस रास्ते से भिवंडी इलाके के गोदामों से माल की आवाजाही तेज और आसान हो जाएगी। इस फ्लाईओवर परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की समीक्षा और इसे अंतिम रूप देने के लिए एक अनुभवी परामर्शदाता फर्म की नियुक्ति के लिए निविदा की घोषणा की गई है।

नए फ्लाईओवर से होगा फायदा

कल्याण, शिलफाटा, पलावा, डोंबिवली और कल्याण सबसे अधिक भीड़भाड़ वाले इलाके हैं। कटाई से अंबरनाथ तक इसी सड़क पर कोलेगांव, खोनी, नेवाली और अंबरनाथ शहर के प्रवेश द्वारों पर जाम की स्थिति रहती है।

शिलफाटा, नवी मुंबई, डोंबिवली, कल्याण के ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में वाहन भिवंडी, राजनोली जाते हैं। भिवंडी, राजनोली से डोंबिवली, शीलफाटा, नवी मुंबई तक भी इसी तरह की यात्रा की जाती है। जब यातायात जाम नहीं होता है तो यह यात्रा डेढ़ घंटे और जब जाम होता है तो दो से ढाई घंटे का समय लेती है। भारी वाहन नासिक राजमार्ग पर मुंब्रा से होकर यात्रा करते हैं। क्योंकि वर्तमान में उनके लिए कोई सीधी सड़क नहीं है। परिणामस्वरूप, उन्हें विभिन्न शहरों से होकर यात्रा करनी पड़ती है। इससे समय, ईंधन और श्रम की बड़ी मात्रा खर्च होती है।

इस पृष्ठभूमि में, कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने एमएमआरडीए से संपर्क किया था। उसके बाद, एमएमआरडीए ने प्रक्रिया शुरू की। अब इसके लिए निविदा की घोषणा कर दी गई है और इस फ्लाईओवर के निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की समीक्षा के साथ-साथ इसे अंतिम रूप देने के लिए एक अनुभवी परामर्शदाता फर्म की नियुक्ति के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई हैं।

अंबरनाथ नपा मृत्यु प्रमाण पत्र निशुल्क दे -राजेंद्र वालेकर

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए लोगों से लिए जा रहे शुल्क को माफ करे. ऐसा निवेदन अंबरनाथ के पूर्व उपनगराध्यक्ष राजेंद्र वालेकर ने मुख्याधिकारी को दिया है.

अंबरनाथ नगर परिषद द्वारा मृत व्यक्ति के मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए 25 रुपए का शुल्क वर्षों से वसूल रहा है. ये योग्य नहीं है और ऐसा मृतक व्यक्ति के परिवार की भी भावना है. इसलिए मृत्यु प्रमाण पत्र नगरपरिषद निशुल्क दे. ऐसी विनती उन्होंने मुख्याधिकारी से की है. कुछ दिनों पूर्व शहर पश्चिम के श्मशान भूमि में एक गरीब व्यक्ति मोहन गागडे ने अपनी माता का अंतिम संस्कार लकड़ियों से किया. उसका खर्च उसे 4 हजार रुपयों तक देना पड़ा था. गागडे ने प्रशासन से कहा है कि एक गरीब व्यक्ति इतना पैसा कहां से लाएगा. शासन ये रकम माफ करे. राजेंद्र वालेकर ने अपने बयान में कहा है कि अंबरनाथ में ऐसे कई परिवार हैं, जो रोज कमाते हैं, रोज खाते हैं. अगर कोई ऐसा जरूरतमंद है तो वह उनसे संपर्क करे, वह अंत्यविधि पर होने वाला खर्च उसे देंगे. अंबरनाथ कैलाश नगर श्मशान भूमि में नपा प्रशासन द्वारा कोई सुविधा नहीं है. साफ-सफाई का अभाव है. झाड़ियां बढ़ गई हैं. बैठने की बेंच टूटी अवस्था में है. गरीबों से अंत्यविधि के लिए रकम ली जाती है. श्मशान भूमि में सुविधाएं नहीं हैं. ऐसा आरोप राजेंद्र वालेकर ने लगाते हुए कहा है कि नपा प्रशासन ने इस ओर ध्यान देना चाहिए.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

विवेकसम्मत और तार्किक फैसला

सड़कों-गलियों में खुला घूमने वाले कुत्तों पर उच्चतम न्यायालय का शुक्रवार को आया ताजा निर्देश विवेकसम्मत और तार्किक है। निस्संदेह अदालत ने पशु प्रेमियों की संवेदनाओं का खयाल रखा है, लेकिन साथ यह भी स्पष्ट कर दिया है कि जन सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं होगा और कोई भी नागरिक सड़क पर कहीं भी कुत्तों को खाना नहीं खिलाएगा। दरअसल, राजधानी में कुत्तों के काटने की घटनाएं बढ़ गई हैं। इसे संज्ञान में लेकर अदालत ने उन्हें जल्द से जल्द सड़कों से हटा कर आश्रय स्थल भेजने का निर्देश दिया था। अदालत के इस फैसले को लेकर व्यापक स्तर पर चिंता जाहिर की गई कि क्या आवारा कुत्तों के प्रति थोड़ा नरम नहीं हुआ जा सकता है।

मगर सवाल यह है कि इस पूरी समस्या के लिए कौन जिम्मेदार है? अगर संबंधित महकमों की ओर से पशु जन्म नियंत्रण नियमों को गंभीरता से लागू किया गया होता, तो न कुत्तों की संख्या बढ़ती और न ही उन्हें सड़कों से हटाने की नौबत आती। अब अपने निर्देश में शीर्ष अदालत ने कहा है कि हटाए गए कुत्तों का बंध्याकरण हो, टीकाकरण किया जाए और उन्हें उसी क्षेत्र में छोड़ दिया जाए, जहां से उन्हें हटाया गया था। हालांकि यह निर्देश आक्रामक व्यवहार वाले और संक्रमण के संदेह वाले कुत्तों पर लागू नहीं होगा।

गौरतलब है कि हर सभ्यता में कुत्ते मनुष्य के साथ रहे हैं। वे इंसानों के अच्छे साथी साबित हुए। संवेदना के स्तर पर परस्पर जुड़ाव महसूस किया जा सकता है। कुत्ते आज लोगों के जीवन का हिस्सा हैं। मगर अब समय आ गया है कि हम उन कारणों की भी पड़ताल करें, जिनकी वजह से कुत्तों का व्यवहार आक्रामक हुआ। कई राज्यों में इनकी बढ़ती संख्या भी चिंता का विषय है।

अगर संबंधित निकायों ने ध्यान दिया होता, तो अदालत सख्त कदम नहीं उठाती। हालांकि उसका कहना सही है कि यह समग्र समस्या स्थानीय अधिकारियों की निष्क्रियता का नतीजा है। कुत्तों के प्रति करुणा दिखानी चाहिए, संवेदनशील होना चाहिए, लेकिन कहीं भी उन्हें खाना खिलाने की आदत हमें बदलनी होगी। इसीलिए ताकीद की गई है कि इसके लिए खास जगह निर्धारित हो। इसे गंभीरता से लेने के साथ-साथ बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। शीर्ष अदालत का निर्देश व्यापक और सार्थक है।

आनलाइन गेमिंग कंपनियों पर कसा शिकंजा

मोदी सरकार की ओर से लोकसभा और फिर राज्यसभा में आनन-फानन पारित प्रमोशन एंड रेगुलेशन आफ आनलाइन गेमिंग बिल, 2025 कानून में परिवर्तित हो गया और इसी के साथ उस पर अमल भी शुरू हो गया। इसके चलते कई आनलाइन गेमिंग कंपनियों ने अपने आनलाइन मनी गेम बंद करने शुरू कर दिए। जब से इंटरनेट का प्रसार एवं उसकी उपलब्धता बढ़ी है और मोबाइल फोन पर आनलाइन गेम्स का चलन बढ़ा है, तब से आनलाइन गेमिंग के क्षेत्र में कुछ ऐसी कंपनियां भी आईं, जिन्होंने गेम की आड़ में सट्टेबाजी और जुए का कारोबार शुरू कर दिया।

पिछले कई वर्षों से केंद्र एवं राज्य सरकारें इससे अच्छी तरह परिचित थीं कि पैसे के लेन-देन आधारित आनलाइन गेम्स कंपनियां गेम के नाम पर सट्टेबाजी का खेल खेल रही थीं। इस सट्टेबाजी के कारण तमाम लोग जुए की लत में अपना नुकसान कर रहे थे। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश आदि सरकारों ने तो उन पर पाबंदी भी लगाई, लेकिन संबंधित उच्च न्यायालयों ने राज्य सरकारों के तर्कों को खारिज कर दिया और सट्टेबाजी वाले आनलाइन गेम्स को कौशल से जुड़ा खेल करार दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि ऐसी कंपनियां अपना कारोबार खुलकर करने लगीं और इनमें से एक कंपनी तो भारतीय क्रिकेट टीम की प्रायोजक भी बन गई और उसका प्रचार नामी क्रिकेटर करने लगे। यह अच्छा हुआ कि केंद्र सरकार आनलाइन गेमिंग के नाम पर जारी सट्टेबाजी और जुए को लेकर चेती। उसकी ओर से आनलाइन

मनी गेम्स पर रोक लगाना आवश्यक हो गया था। इस संदर्भ में जो कानून बनाया गया है, वह आनलाइन सट्टेबाजी और जुए पर तो नियंत्रण की कोशिश है, लेकिन इसी के साथ वह कौशल वाले आनलाइन गेम्स को बढ़ावा भी देने वाला है। इन दोनों के बीच अंतर करना आवश्यक है, क्योंकि जहां आनलाइन सट्टेबाजी सामाजिक और आर्थिक समस्याएं पैदा कर रही थी, वहीं कौशल वाले आनलाइन गेम इंटरनेट आधारित एक नया उद्यम हैं। इन्हें पूरी दुनिया में बढ़ावा मिल रहा है और लोग अपने कौशल एवं शौक के हिसाब से उन्हें खेलते हैं। इसकी प्रतियोगिताएं भी होने लगी हैं। चूंकि इनमें पैसे का कोई लेन-देन नहीं होता, इसलिए इन्हें बढ़ावा मिलने में हर्ज नहीं। आज करोड़ों लोग और विशेष रूप से युवा आनलाइन गेमिंग में रुचि रखते हैं। यह भी एक उद्योग का रूप ले चुका है और लोगों को रोजगार और सरकार को राजस्व उपलब्ध कराता है। भारत का आनलाइन गेमिंग बाजार तेजी से बढ़ा है। 2023- 24 में यह 23 प्रतिशत की दर से बढ़कर 3.8 अरब डालर तक पहुंच गया था। एक आंकड़े के अनुसार अपने देश में 2024 में आनलाइन गेम खेलने वालों की संख्या 45 करोड़ से अधिक हो चुकी थी, लेकिन इस आकर्षक तस्वीर के पीछे उस बुरे धंधे की अनदेखी नहीं की जा सकती, जो खतरा बन गया था। यह खतरा सट्टेबाजी और जुए की लत बढ़ने के रूप में था। इस लत के चलते अनेक लोगों ने अपने लाखों रुपये गंवाए और हताश-निराश होकर आत्महत्या भी की।

आत्महत्या के ऐसे कुछ मामलों का उल्लेख केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी किया। उन्होंने यह भी बताया कि आनलाइन मनी गेम्स की आड़ में हो रही सट्टेबाजी पर रोक लगाने के लिए कई प्रयास किए गए, लेकिन नाकामी मिली। सट्टेबाजी वाली आनलाइन गेमिंग को बढ़ावा देकर अपनी तिजोरी भरने वाली गेमिंग कंपनियों ने एक अनैतिक समानांतर अर्थव्यवस्था कायम कर ली थी। इसमें उपभोक्ताओं यानी आनलाइन गेमिंग के जरिये सट्टेबाजी करने वालों को न तो किसी तरह का संरक्षण प्राप्त था और न ही उनकी शिकायतों-समस्याओं की सुनवाई की कोई व्यवस्था थी। कुल मिलाकर मनमानी हो रही थी।

अब इस मनमानी पर एक बड़ी हद तक रोक लगेगी, क्योंकि सट्टेबाजी वाले आनलाइन गेम का प्रचार-प्रसार प्रतिबंधित किया जाएगा। इसका उल्लंघन करने वालों को जुर्माने के साथ जेल भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त सट्टेबाजी कराने वाली आनलाइन कंपनियों को बैंक भुगतान प्रणाली से अलग किया जाएगा। अच्छा होगा कि सरकार नए कानून के हिसाब से नियामक प्राधिकरण जल्द बनाए, ताकि आनलाइन सट्टेबाजी और जुए पर रोक लगने के साथ ई-स्पोर्ट्स और ई-सोशल जैसे गेम्स का बेहतर नियमन हो, उनका बाजार बढ़े.

आइए हम अपने आध्यात्मिक स्वरूप की ओर ध्यान दें। आइए हम अंतर में प्रभु की दिव्य ज्योति और श्रुति से संपर्क करें।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

सत्ता–विपक्ष के शोर में दब गए जनता के सवाल

संसद कानून और नीति निर्माण करने वाली देश की सर्वोच्च संस्था है, जो जनता का प्रतिनिधित्व करती है। देश की दिशा एवं दशा तय करने में इसकी अहम भूमिका होती है। यह सरकार के कामकाज की निगरानी करने और राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा कर समाधान तलाशने का विशिष्ट मंच है। इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है, जहां जनता की संप्रभुता को अभिव्यक्ति मिलती है। जन प्रतिनिधियों से उम्मीद की जाती है कि वे आम लोगों से जुड़े मसलों को संसद में उठाकर नीति निर्माण में उनकी भूमिका सुनिश्चित करेंगे। मगर, संसद के मानसून सत्र के कामकाज पर गौर करें तो इन उम्मीदों पर सियासत के बादल मंडराते नजर आते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जन प्रतिनिधियों के लिए दलगत राजनीति जन सरोकार से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। संसद के अंदर और बाहर सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप के शोरगुल में असल मुद्दे गौण हो जाते हैं। इससे न केवल संसद का बहुमूल्य समय यों ही जाया हो जाता है, बल्कि सार्वजनिक धन की भी बर्बादी होती है।

संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में महज 31 फीसद और राज्यसभा में 39 फीसद कामकाज हुआ। सत्र के दौरान कामकाज के लिए 120 घंटे उपलब्ध थे, मगर इस दौरान

लोकसभा में केवल 37 घंटे और राज्यसभा में 41 घंटे 15 मिनट कामकाज हो पाया। दोनों सदनों में कुल 15 विधेयक पारित किए गए और तीन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति के पास विचार के लिए भेजा गया। सत्र के दौरान 'आपरेशन सिंदूर' को लेकर दोनों सदनों में विशेष चर्चा हुई, जिसकी मांग विपक्ष ने उठाई थी।

मगर, बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) का मुद्दा दोनों सदनों में हंगामे और गतिरोध की प्रमुख वजह बना रहा। सत्तापक्ष का तर्क था कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है और इस पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती। सवाल है कि क्या सदन में हंगामे से कुछ हासिल हो पाया? इसके विपरीत इस वजह से दोनों सदनों में एक भी दिन प्रश्नकाल एवं शून्यकाल सामान्य तरीके से नहीं चल पाया और सत्र के दौरान गैर सरकारी कामकाज भी नहीं हो सका। यानी, मानसून सत्र के कामकाज की सूची में शामिल जन सरोकार से जुड़े कई मुद्दे बिना चर्चा और जवाब के ही रह गए।

इसमें दोराय नहीं कि संसद सत्र नियमित रूप से चलाने का दायित्व सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों का है। लोकतंत्र में किसी भी मुद्दे पर विरोध दर्ज करना विपक्ष की भूमिका का एक हिस्सा है और सत्तापक्ष से उम्मीद की जाती है कि वह विपक्ष की आपत्तियों का निराकरण करे। मगर संसद में सार्थक और तर्कपूर्ण बहस करने के बजाय हंगामे से गतिरोध बनाए रखने से अंततः नुकसान देश की जनता का होता है।

सियासी दलों और उनके जनप्रतिनिधियों को इस बात पर गंभीरता और गहराई से विचार करना चाहिए कि संसद का बहुमूल्य समय बर्बाद न हो। जन प्रतिनिधियों की यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वे उस जन सरोकार को प्राथमिकता दें, जिसके लिए उन्हें चुना गया है। एक निर्दलीय सांसद ने तो संसद परिसर में प्रदर्शन कर यह मांग भी उठाई है कि सदन में हंगामे की वजह से होने वाले आर्थिक नुकसान की भरपाई सांसदों के वेतन से की जानी चाहिए। सहमति और असहमति होना लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन सामूहिक तौर पर प्रयास यही होना चाहिए कि सदन नियमित रूप से चले, ताकि जनकल्याण के लिए प्रभावी नीतियों का निर्माण हो सके।

बिहार का सबसे लम्बा लड़का! उम्र 15 साल, लंबाई 7 फीट

जरा हट के

दरभंगा जिले का हरिओम अपनी असाधारण लंबाई के कारण चर्चा में है. महज 15 साल की उम्र में हरिओम की लंबाई 7 फीट है, जो लोगों को आश्चर्य में डाल रही है. हरिओम अभी 11वीं का छात्र है और आगे पुलिस में भर्ती होना चाहता है. हरिओम अपने परिवार का इकलौता वारिस है. घर के अन्य सदस्यों की लंबाई सामान्य है, लेकिन हरिओम की लंबाई काफी ज्यादा है. हरिओम के पिता ने घर का डिजाइन अपने इकलौते पुत्र की लंबाई को देखते हुए करवाया है. बाथरूम, किचन और बेडरूम की ऊंचाई 7.30 फीट रखी गई है क्योंकि हरिओम की लंबाई 7 फीट है.

हरिओम बताते हैं कि उनकी लंबाई अपने आप बढ़ गई है और उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है. स्कूल या कोचिंग पढ़ने जाते समय सब उन्हें 'लंबू' कहते हैं. जब गांव से बाहर जाते हैं तो लोग उन्हें

देखते रहते हैं. हरिओम पुलिस की तैयारी कर रहे हैं और पुलिस में जॉब करना चाहते हैं.

हरिओम की लंबाई को लेकर चर्चा

हरिओम की लंबाई अपने आप में बेहद अजीब है ऐसा नहीं है कि हरिओम के परिवार के लोगों की भी लंबाई ज्यादा है, बल्कि उनका परिवार सामान्य लंबाई का है. इस प्रकार, हरिओम अपनी असाधारण लंबाई के कारण चर्चा में हैं और अपने भविष्य के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं.

दरभंगा जिले का हरिओम जिसकी उम्र महज 15 साल है लेकिन उम्र के हिसाब से उनकी लंबाई लोगों को आश्चर्य में डाल रही है. हरिओम की लंबाई 7 फीट है जिस कारण से उन्हें लोग लंबू भी कहते हैं. ये अभी 11वीं का छात्र है और आगे पुलिस में भर्ती होना चाहता है. अपनी लंबाई को लेकर चर्चा में बने रहने वाला हरिओम अपने परिवार का इकलौता वारिश है. हरिओम के पिता ने अपने घर का डिजाइन भी अपने इकलौते पुत्र के लंबाई को देखते हुए करवाया है.

खाना-खजाना

चिली पनीर फ्रैंकी

सामग्री :

स्टफिंग के लिए

- 300 ग्राम पनीर
- 1 शिमला मिर्च
- एक प्याज
- हरी मिर्च
- 2 बड़े चम्मच टमाटर सॉस
- एक बड़ा चम्मच रेड चिली सॉस
- एक छोटा चम्मच सोया सॉस
- आधा छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर
- एक छोटा चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट
- दो बड़े चम्मच तेल
- स्वादानुसार नमक

रोटी/फ्रैंकी के लिए

- 2 कप मैदा
- एक बड़ा चम्मच तेल
- स्वादानुसार नमक
- पानी जरूरत अनुसार
- टॉपिंग के लिए
- हरी चटनी (पुदीना-धनिया वाली)
- मेयोनीज या दही
- थोड़ा चाट मसाला

विधि :

इसे बनाने के लिए मैदा में नमक और तेल डालकर मुलायम आटा गूंथ लें और 15-20 मिनट के लिए ढककर रख दें। अब एक कड़ाही में तेल गरम करें, उसमें अदरक-लहसुन पेस्ट और हरी मिर्च डालकर भूनें। प्याज और शिमला मिर्च डालकर दो मिनट तेज आंच पर चलाएं। अब पनीर क्यूब्स डालें और ऊपर से टमाटर सॉस, रेड चिली सॉस, सोया सॉस, काली मिर्च और नमक डालकर अच्छे से मिला लें। दो से तीन मिनट तक पकाकर गैस बंद कर दें। अब आटे की लोई बनाकर पतली रोटियां बेल लें और तवे पर हल्का तेल लगाकर दोनों तरफ से सेक लें। इसके बाद रोटी पर हरी चटनी फैलाएं। थोड़ा मेयोनीज या दही लगाएं। बीच में तैयार चिली पनीर की स्टफिंग रखें। ऊपर से चाट मसाला छिड़कें। रोटी को रोल की तरह लपेट लें। इसी तरह चार फ्रैंकी तैयार कर लें। इसे फॉयल पेपर में आधा लपेट कर सर्व करें।

हर घर में होने चाहिए 3 पौधे, दूर रहेंगी बीमारियां

बात-बात पर नहीं जाना पड़ेगा डॉक्टर के पास

क्या आप भी उन लोगों में से हैं जो छोटी-मोटी दिक्कत होने पर तुरंत दवाइयों की ओर भागते हैं? क्या कभी आपने सोचा है कि प्रकृति ने हमें एक ऐसा खजाना दिया है जो बिना किसी साइड इफेक्ट के हमें सेहतमंद रख सकता है?

जी हां, ये कोई जादू नहीं, बल्कि हमारे आसपास मौजूद कुछ ऐसे खास पौधे हैं जो न सिर्फ आपके घर की हवा को साफ करते हैं, बल्कि आपको और आपके परिवार को भी बीमारियों से दूर रखते हैं। अगर आप चाहते हैं कि बात-बात पर आपको डॉक्टर के

पास न जाना पड़े, तो आज ही अपने घर में ये तीन पौधे जरूर लगा लीजिए।

तुलसी

तुलसी को 'जड़ी-बूटियों की रानी' कहा जाता है। यह खांसी, जुकाम, फ्लू और मौसम से जुड़ी बीमारियों से लड़ने में आपकी सबसे अच्छी दोस्त है।

घरेलू उपायः 7-8 ताजी तुलसी की पत्तियां और 1 लौंग लें। इन्हें 1 कप पानी में उबालें और गर्म-गर्म ही पिएं। यह नुस्खा खांसी, जुकाम और गले की खराश में तुरंत आराम देता है।

रेगुलर इस्तेमालः अगर आप रोजाना तुलसी का सेवन करते हैं, तो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (Immunity) मजबूत होती है और वायरल इन्फेक्शन का खतरा कम हो जाता है।

कढ़ी पत्ता

कढ़ी पत्ता सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह डायबिटीज को कंट्रोल करने, खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने, पाचन को बेहतर बनाने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

इस्तेमाल का तरीकाः अपने रोजमर्रा के खाने जैसे करी, दाल, चटनी या सब्जियों के तड़के में कुछ ताजे कढ़ी पत्ते जरूर डालें।

फायदेः इसमें भरपूर मात्रा में आयरन, कैल्शियम, एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन C होता है। रोजाना इसका इस्तेमाल आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता, मेटाबॉलिज्म और बालों को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ बनाता है।

स्नेक प्लांट

यह एक नेचुरल एयर प्यूरिफायर है जो हवा से फॉर्मलाडेहाइड और बेंजीन जैसे हानिकारक तत्वों को हटाता है।

खासियतः बाकी पौधों से अलग है, क्योंकि यह रात में भी ऑक्सीजन छोड़ता है। इसलिए इसे अपने बेडरूम में रखने से आपको बेहतर नींद आती है, एलर्जी की समस्या कम होती है और हवा भी साफ रहती है।

देखभालः इसे ज्यादा देखभाल की जरूरत नहीं होती। अगर आप बिजी रहते हैं, तो भी यह आपके लिए बिल्कुल सही है।

आज का राशिफल

मेष : नौकरी में कार्यभार रहेगा। लेन–देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी। जोखिम न लें। एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। व्यर्थ दौड़धूप होगी। विवाद से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। काम में मन नहीं लगेगा।

वृषभ : व्यापार–व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि में जल्दबाजी न करें। लाभ होगा।

मिथुन : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा। फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। दूर यात्रा की योजना बनेगी। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में चैन रहेगा। जोखिम न लें।

कर्क : व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं। कोई बड़ी समस्या का अंत हो सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। लेन–देन में सावधानी रखें। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

सिंह : स्वयं के काम पर ध्यान दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यापार ठीक चलेगा। कार्यकुशलता कम होगी। कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें। किसी व्यक्ति के काम की जवाबदारी न लें।

कन्या : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी न करें। घर के छोटे सदस्यों संबंधी चिंता रहेगी।

तुला : सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। धनहानि हो सकती है। सावधानी आवश्यक है। थकान महसूस होगी।

वृश्चिक : तंत्र–मंत्र में रुचि जागृत होगी। किसी जानकार व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

धनु : भागदौड़ होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। लाभ के लिए प्रयास करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। लेन–देन में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों से कहासुनी हो सकती है।

मकर : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम–प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो। व्यापार–व्यवसाय अनुकूल रहेगा। निवेश सोच–समझकर करें। नौकरी में चैन रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी।

कुंभ : भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी। आशंका व कुशंका रहेगी। कार्य में बाधा संभव है। उत्साह बना रहेगा। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। सुख के साधन जुटेंगे।

मीन : यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक का प्रयोग करें। समस्याएं कम होंगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

नकली हल्दी की कैसे करें पहचान?

इन तरीकों से तुरंत चलेगा मिलावट का पता

भारतीय किचन में हर रोज हल्दी का उपयोग किया जाता है। यह खाने के रंग को तो बढ़ाता ही है, साथ ही इससे स्वाद भी बेहतर होता है। वैसे भी हल्दी हेल्थ के लिए फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद करक्यूमिन तत्व शरीर को बीमारियों से बचाने और इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद करता है।

वहीं, आज के समय में मार्केट में मिलावटी हल्दी बड़े पैमाने पर मिल रही है, जो स्वाद के साथ-साथ सेहत को भी नुकसान पहुंचा रही है। दरअसल, हल्दी में पीला रंग, चाक पाउडर या स्टार्च जैसी चीजे बड़े पैमाने पर मिलाई जाती हैं। ऐसे में असली और नकली हल्दी की पहचान करना बेहद जरूरी हो जाता है। इस आर्टिकल में हम आपको असली-नकली हल्दी की पहचान के बारे में बताएंगे।

पानी टेस्ट करें

हल्दी पाउडर की पहचान आप पानी टेस्ट से भी कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले हल्दी पाउडर को एक गिलास पानी में डालें और कुछ देर तक छोड़ दें। अगर हल्दी शुद्ध होगी तो पानी के नीचे बैठ जाएगी। वहीं, पानी का रंग गहरा पीला हो तो इसमें मिलावट हो सकती है।

सूंघ कर करें पहचान

हल्दी को आप आसानी से सूंघ कर पहचान सकते हैं। असली हल्दी में एकदम ताज़ा हल्दी की गंध आएगी। वहीं, नकली हल्दी में बिल्कुल भी गंध नहीं होती।

हाथ पर मलकर देखें

हल्दी की थोड़ी सी मात्रा को हाथ पर मलें। अगर हल्दी शुद्ध होगी तो आसानी से हाथ से निकल जाएगी। वहीं, नकली हल्दी हाथों पर दाग छोड़ देगी।

आयोडीन टेस्ट

आप आयोडीन टेस्ट से भी हल्दी की पहचान कर सकते हैं। अगर हल्दी में स्टार्च मिला होगा तो आयोडीन से इसका पता चल जाएगा। हल्दी में आयोडीन की कुछ बूंदें डालने के बाद अगर हल्दी का रंग नीला या काला हो जाए तो इसमें स्टार्च मिला हुआ है, जो नकली होने की निशानी है।

साबुन टेस्ट से करें हल्दी की जांच

साबुन टेस्ट से भी हल्दी की पहचान की जा सकती है। इसके लिए सबसे पहले हल्दी पाउडर को अपने हाथों पर लगाएं। कुछ समय तक इसको अपने हाथों पर रगड़ें। अब इसे साबुन से धो लें। अगर हाथों से हल्दी का रंग आसानी से छूट रहा है तो यह नकली हल्दी हो सकती है। सामान्य तौर पर असली हल्दी का रंग जल्दी नहीं छूटता।

बप्पा को लगाएं मावा मोदक का भोग

पूरे देश में गणेश चतुर्थी का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। मान्यता है कि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को विघ्नहर्ता गणपति का जन्म हुआ था। इसी कारण इस दिन गणेश चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। गणेश चतुर्थी के पहले दिन भक्त बड़े उत्साह से गणेश जी को घर लेकर आते हैं और उनकी विधिवत पूजा करते हैं। इस साल गणेश चतुर्थी 27 अगस्त 2025 को मनाई जाएगी। मान्यता है कि गणेश जी को मोदक बेहद प्रिय है और उनकी पूजा में मोदक का विशेष महत्व होता है। ऐसा विश्वास है कि इस दिन बप्पा को मोदक का भोग लगाने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसलिए आप इस खास अवसर पर भगवान गणेश को मावा से बने मोदक का भोग जरूर लगा सकते हैं।

सामग्री

2 कप मावा, 1 कप चीनी, 2 चम्मच घी, आधा चम्मच इलायची पाउडर, काजू, बादाम, पिस्ता

कैसे बनाएं?

घर पर मावा मोदक बनाने के लिए सबसे पहले एक कढ़ाई में घी गर्म करें और उसमें मावा डालकर धीमी आंच पर भूनें। अब मावा को हल्का सुनहरा होने तक भूनें और खुशबू आने के बाद गैस बंद कर दें। फिर मावा को हल्का ठंडा होने दें और इसमें पिसी चीनी तथा इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अंत में इसमें कटे हुए मेवे डालें और सही से मिक्स कर लें।

सांचे में करें तैयार

आज के समय में स्टील, सिलिकॉन और प्लास्टिक के मोदक सांचे आसानी से मिल जाते हैं। ऐसे में आप इनमें से किसी का भी उपयोग कर सकते हैं। सबसे पहले मोदक के सांचे को हल्के घी से चिकना कर लें। अब तैयार मावा मिश्रण को सांचे के अंदर हल्के हाथों से भरें ताकि मोदक की शेप सही बने। फिर सांचा खोल लें। इस तरह सुंदर डिज़ाइन वाला मोदक आसानी से तैयार हो जाएगा।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मौत का तांडव: नाग-नागिन ने डसकर चाची-भतीजी को मौत के घाट उतारा

अमेठी. यूपी के अमेठी जिले के जायस कोतवाली क्षेत्र में एक बेहद दुखद घटना सामने आई है। यहां पूरे ठकुराइन मजरे मीरामऊ गांव में शनिवार-रविवार की रात को बिस्तर पर सो रही एक चाची और उनकी भतीजी को नाग-नागिन के जोड़े ने डस लिया, जिससे दोनों की मौत हो गई। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे गांववालों ने चाची-भतीजी को अचेत देखा तो गुस्से से भड़क गए। गांववालों ने पीट-पीटकर नाग-नागिन को मार डाला। नाग-नागिन के डसने से 35 वर्षीय शकीला बानो और उनकी 15 वर्षीय भतीजी साइमा बानो की मौत हुई है। यह घटना अमेठी के जायस कोतवाली क्षेत्र के ठकुराइन खेड़ा मजरे मीरामऊ गांव में रात करीब 1:30 बजे हुई, जब दोनों एक ही बिस्तर पर सो रही थीं। अचानक कमरे में घुसे नाग-नागिन के जोड़े ने उन्हें काट लिया। सांप के काटते ही दोनों की नींद खुल गई और वे चीखते हुए कमरे से बाहर भागीं, लेकिन घर से बाहर निकलते ही बेहोश होकर गिर गईं।

यूपी पुलिस ने पकड़ा मेरठ का स्पाइडरमैन, 15 अगस्त को घंटाघर पर चढ़कर बनाई थी रील

मेरठ. यूपी के मेरठ में स्पाइडर मैन ने रील बनाई और रील के लिए घंटाघर पर चढ़ गया। ये सब उसने 15 अगस्त को किया। इससे सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो गए। शनिवार को मेरठ में स्पाइडर मैन की ड्रेस पहन घंटाघर पर रील बनाने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से स्पाइडर मैन ड्रेस बरामद की है। आरोपी अबरारनगर निवासी फराज है। पूछताछ में फराज ने बताया 15 अगस्त को उसने यह रील बनाई थी। रील को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। सामाजिक कार्यकर्ता लोकेश खुराना ने रील के वायरल होने के बाद कार्रवाई की मांग की गई। उनका कहना है कि घंटाघर संरक्षित स्मारक, राष्ट्रीय धरोहर है। ऐसी जगह पर इस तरह की स्टंटबाजी करने और रील बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

पड़ोसी का तांडव, दंपती और उनकी बेटी पर चाकू से किए ताबड़तोड़ वार; पति की मौत

सिद्धार्थनगर. उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर के मिश्रौलिया थाना क्षेत्र स्थित नागचौरी गांव के टोला केवटहिया में शनिवार की देर शाम पड़ोस में रहने वाले एक सिरफिरे युवक ने पड़ोसी दंपती और उनकी बेटी पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में अधेड़ की मौत हो गई और उसकी पत्नी और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हमलावर मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार नागचौरी गांव के टोला केवटहिया में हुई इस वारदात को यहीं के रहने वाले मुकेश कुमार निषाद नाम के युवक ने अंजाम दिया। उसने आपसी विवाद को लेकर अपने पड़ोसी रामकला निषाद (उम्र 55 वर्ष), उनकी पत्नी प्रभावती देवी (उम्र 50 वर्ष) और बेटी किरन (उम्र 17 वर्ष) पर चाकू से हमला कर दिया। हमला इतनी क्रूरता से किया कि रामकला की मौके पर ही मौत हो गई।

मोमोज खाने से बांदा के 35 पहुंचे अस्पताल

बांदा. यूपी के बांदा में मोमोज ने हड़कंप मचा दिया। मोमोज खाने से 20 बच्चे फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए। चार बच्चे मेडिकल कॉलेज रेफर किए गए हैं। जानकारी के अनुसार महुआ ब्लॉक की ग्राम पंचायत मसूरी खेरवा में गुरुवार शाम बच्चों ने एक ठेले से मोमोज खाया। शुक्रवार को गांव की 18 वर्षीय स्नेहा, 14 वर्षीय विवेक पुत्र रामरतन, 12 वर्षीय प्रिंस, नौ वर्षीय प्रीति पुत्र मोतीलाल को उल्टी, दस्त व फीवर की शिकायत पर शुक्रवार देर शाम सीएचसी नरैनी से डॉ. अतुल वर्मा ने मेडिकल कालेज रेफर कर दिया।

मेरिट लिस्ट में तीसरा स्थान, बन गया CJI

- बीआर गवई बोले- मेरी नकल मत करना

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (CJI) बीआर गवई ने कहा कि पेशेवर जीवन में सफलता का स्तर परीक्षा परिणामों से नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत, समर्पण और काम के प्रति प्रतिबद्धता से निर्धारित होता है। उन्होंने याद किया कि वह एक प्रतिभाशाली छात्र थे, लेकिन कक्षाएं छोड़ देते थे। प्रधान न्यायाधीश ने शिनार को पणजी के निकट मीरामार में वी एम सलगांवकर कॉलेज ऑफ लॉ के स्वर्ण जयंती समारोह में कहा कि कानूनी शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन आया है।

उन्होंने लॉ कॉलेज के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा में अपने रैंक पर मत जाइए, क्योंकि ये परिणाम यह निर्धारित नहीं करते कि आप किस स्तर की सफलता प्राप्त करेंगे। आपका दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत, समर्पण और पेशे के प्रति प्रतिबद्धता ही मायने रखती है। प्रधान न्यायाधीश गवई ने कहा कि वह एक असाधारण छात्र थे, लेकिन अक्सर कक्षाएं छोड़ देते थे। उन्होंने कहा कि लेकिन हमारी नकल करने की कोशिश नहीं करें।

उन्होंने याद किया कि जब वह मुंबई के सरकारी लॉ कॉलेज में पढ़ते थे, तो वे कक्षाएं छोड़कर कॉलेज की चारदीवारी पर बैठते थे और कक्षा में उनकी हाजिरी उनके मित्र लगाते थे। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि (कानून की डिग्री के) आखिरी साल में मुझे अमरावती जाना पड़ा, क्योंकि मेरे पिता (महाराष्ट्र) विधान परिषद के सभापति थे। मुंबई में हमारा घर नहीं था। जब मैं अमरावती में था, तो मैं लगभग आधा दर्जन बार ही कॉलेज गया था। मेरे एक मित्र, जो बाद में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने, मेरी हाजिरी लगा देते थे।

सीजेआई गवई के पिता दिवंगत आर एस गवई रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (गवई) के संस्थापक थे। वह 1978 से 1982 तक महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति रहे। बाद में वे बिहार, सिक्किम और केरल के राज्यपाल बने।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि परिणामों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाला छात्र आगे चलकर आपराधिक मामलों के वकील बने, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाले छात्र उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने। उन्होंने कहा, और तीसरा मैं था, जो अब भारत का प्रधान न्यायाधीश हूं। उन्होंने कहा कि वह कॉलेज गए बिना ही मेरिट सूची में तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन किताबें पढ़ते रहे और पांच साल के परीक्षा के प्रश्नपत्र हल करते रहे।

कभी सोचा नहीं था कि अंतरिक्ष जाऊंगा

नई दिल्ली. अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने रविवार को कहा कि वह बचपन में शर्मीले और संकोची थे। युवावस्था में उन्होंने कभी अंतरिक्ष में जाने का सपना नहीं देखा था। भारतीय वायुसेना के एक कार्यक्रम में शुक्ला ने कहा कि उन्होंने राकेश शर्मा की ऐतिहासिक अंतरिक्ष उड़ान की कहानियां सुनीं। लेकिन युवावस्था तक उन्होंने यह नहीं सोचा था कि वह अंतरिक्ष यात्रा पर जाएंगे। अंतरिक्ष यात्री ने हाल में संपन्न एक्सिओम 4 मिशन का हिस्सा बनने के अपने अनुभव को भी साझा किया। इस मिशन के जरिए वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्ला सहित गगनयान मिशन के चार अंतरिक्ष यात्रियों को सम्मानित किया और कहा कि गगनयान मिशन आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में एक नए अध्याय का प्रतीक है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पहुंचे उज्जैन

- महाकाल मंदिर में की पूजा-अर्चना
- किसानों और प्रदेश की जनता के लिए मांगा आशीर्वाद

उज्जैन. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे रविवार को उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने मंदिर के नंदी हॉल में बैठकर भगवान महाकाल का ध्यान किया। मंदिर के पुजारियों ने मंत्रोच्चार के साथ पूजन कराया।

शिंदे ने सभामंडप में विराजित भगवान वीरभद्र के भी दर्शन किए। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक आशीष कलवाड़िया ने उन्हें प्रसाद भेंट किया और दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया। मीडिया से बातचीत में शिंदे ने कहा कि महाकाल के दरबार में आने से नई ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। उन्होंने बताया कि उन्होंने महाराष्ट्र के किसानों, महिलाओं और सभी नागरिकों की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। साथ ही महाराष्ट्र के गौरव में वृद्धि के लिए भी आशीर्वाद मांगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में अपना गौरव बढ़ा रहा है। उन्होंने देश की समृद्धि के लिए भी प्रार्थना की।

मोदी बोले- भारत 100 देशों को EV एक्सपोर्ट करेगा

- दुनिया को धीमी विकास दर से बाहर निकालेगा
- हमारे पास तेज धारा को मोड़ने की ताकत

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत अब दुनिया को धीमी विकास दर से बाहर निकालने की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि हम ठहरे हुए पानी में कंकड़ फेंकने वाले लोग नहीं हैं। हम तेज बहती धारा को भी मोड़ने की ताकत रखते हैं। भारत अब समय की धारा को भी दिशा देने की क्षमता रखता है। पीएम ने कहा- भारत अब एक बड़ा माइलस्टोन हासिल करने जा रहा है। देश जल्द ही 100 देशों को इलेक्ट्रिक वाहन (EVs) निर्यात करेगा। भारत की प्रगति का आधार रिसर्च और इनोवेशन है।

उन्होंने कहा बाहर (विदेश) से खरीदी गई रिसर्च सिर्फ जीने भर के लिए काफी है, लेकिन भारत की बड़ी आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकती। केंद्र सरकार ने रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए लगातार नीतियां और नए प्लेटफॉर्म बनाए हैं। भारत अब सिर्फ गाड़ियां ही नहीं, बल्कि मेट्रो कोच, रेल कोच और लोकोमोटिव (रेल इंजन) भी विदेश भेज रहा है। उन्होंने यह बात ईटी वर्ल्ड लीडर्स फोरम 2025 में ये बात कही।

पीएम के संबोधन की बड़ी बातें...

- 2014 से पहले भारत का ऑटोमोबाइल निर्यात करीब 50,000 करोड़ सालाना था। आज यह बढ़कर 1.2 लाख करोड़ सालाना हो गया है।
- जून 2025 में 22 लाख नई नौकरियां EPFO डेटा में दर्ज हुईं, जो अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है।
- भारत की महंगाई दर (Retail Inflation) 2017 के बाद सबसे निचले स्तर पर है।
- देश का विदेशी मुद्रा भंडार (Forex Reserves) अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।
- 2014 में भारत की सोलर पैनल निर्माण क्षमता सिर्फ 2.5 गीगावॉट (GW) थी। अब यह बढ़कर 100 गीगावॉट (GW) हो गई है।
- दिल्ली एयरपोर्ट अब दुनिया के उन छह एयरपोर्ट्स की लिस्ट में आ गया है, जहां हर साल 100 मिलियन (10 करोड़) से ज्यादा यात्री आते-जाते हैं।
- हाल ही में S&P Global Ratings ने भारत की क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। यह अपग्रेड लगभग 20 साल बाद हुआ है।
- आने वाले समय में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। हमारा वैश्विक विकास में योगदान 20% तक पहुंच जाएगा। इसके पीछे बीते 10 सालों में बनी मजबूत मैक्रो इकोनॉमिक स्थिरता है।
- उद्योग और प्राइवेट सेक्टर की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। क्लीन एनर्जी, क्वांटम टेक्नोलॉजी, बैटरी स्टोरेज, एडवांस्ड मटीरियल्स और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में रिसर्च और निवेश बढ़ाने पर जोर दिया।

फिजी के प्रधानमंत्री पहुंचे नई दिल्ली

नई दिल्ली. फिजी गणराज्य के प्रधानमंत्री सीटिवेनी लिगामामादा राबुका अपनी पत्नी सुलुवेती राबुका के साथ चार दिवसीय यात्रा पर रविवार को नई दिल्ली पहुंचे। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि राबुका की यात्रा से भारत-फिजी साझेदारी विभिन्न क्षेत्रों में और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री राबुका 24 से 27 अगस्त तक भारत में रहेंगे। 25 अगस्त को राबुका राजघाट पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे.

अजित डोभाल की टीम में शामिल हुए अनीश दयाल सिंह

नई दिल्ली. सीआरपीएफ और आईटीबीपी के पूर्व महानिदेशक अनीश दयाल सिंह को डिप्टी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया है। इन्हें आंतरिक मामलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मणिपुर कैडर के 1988 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी सिंह 31 दिसंबर 2024 को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के महानिदेशक (DG) के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। इस नियुक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजित डोभाल की टीम को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यूपी के प्रयागराज के रहने वाले हैं अनीश दयाल सिंह

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 1964 में जन्मे अनीश दयाल सिंह ने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। इससे पहले वे इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस (ITBP) और सशस्त्र सीमा बल (SSB) के महानिदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

CRPF के DG के रूप में उनके कार्यकाल में उन्होंने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में योगदान दिया। इसके अलावा अगस्त 2024 में उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया था।

केवल आधार कार्ड होने से कोई मतदाता के तौर पर नहीं हो सकता रजिस्टर्ड

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष पर विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दुष्प्रचार का आरोप लगाया। इसने दावा किया कि शीर्ष अदालत ने यह नहीं कहा कि सिर्फ आधार ही मतदान का अधिकार पाने के लिए वैध दस्तावेज हो सकता है।

एससी ने अपने आदेश में कहा था कि बिहार में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बाहर किए गए मतदाता अन्य दस्तावेजों के साथ आधार जमा कर सकते हैं। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि आधार केवल पहचान और निवास का प्रमाण है, परंतु यह नागरिकता स्थापित नहीं करता।

उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कहीं भी यह नहीं कहा कि इसे एसआईआर के लिए वैध दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल किया जाए। विपक्ष इस मुद्दे पर दुष्प्रचार कर रहा है।

वायुसेना को मिलेगी नई ताकत

तेजस MK2 के GE इंजन को भारत में बनाने पर आगे बढ़ी बात

नई दिल्ली. ऑपरेशन सिंदूर में जेट विमानों की ताकत और मजबूती को देखते हुए केंद्र सरकार अब भारतीय वायुसेना को और भी ज्यादा मजबूत बनाने की और कदम उठा रही है।

इसी प्रक्रिया के अंतर्गत हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्कस लिमिटेड और अमेरिका की रक्षा दिग्गज जनरल इलेक्ट्रिक एयरोस्पेस के बीच हुई डील के बाद अब भारत के स्वदेशी फाइटर जेट तेजस मार्क 2 के लिए भारत में इंजन बनाने की बात शुरू हो गई है।

इसके अलावा डीआरडीओ ने बेंगलुरु स्थित एक गैस टर्बाइन रिसर्च प्रतिष्ठान के साथ फ्रांसीसी कंपनी सफ्रान की डील को भी अंतिम रूप दे दिया है। यह दोनों मिलकर पांचवी पीढ़ी का उन्नत और मध्यम लड़ाकू विमान के लिए इंजन तैयार करेंगे।

इंडियन एक्स्प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक सरकार का उद्देश्य अगले तीन महीनों में तेजस मार्क 2 के इंजन के लिए HAL और GE के समझौते की बातचीत को अंतिम रूप देना है। ताकि इस समझौते के तहत जल्द से जल्द f414 इंजनों का उत्पादन भारत में होने लगे, जिनको तेजस मार्क 2 के लिए डिजाइन किया गया है।

गुजरात में सीरियाई नागरिक गिरफ्तार

- शरीर पर गोलियों के निशान
- 3 साथियों की तलाश
- गाजा पीड़ितों के नाम पर फंड जुटाकर लग्जरी लाइफस्टाइल जीते थे

अहमदाबाद. गुजरात के अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले क्राइम ब्रांच ने शनिवार को एलिसब्रिज रीगल होटल से एक सीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान 23 साल के अली मेघात अल-अजहर के रूप में की गई है।

क्राइम ब्रांच के जाइंट पुलिस कमिश्नर शरद सिंघल ने बताया कि अली के पास से 3600 अमेरिकी डॉलर और 25 हजार भारतीय कैश मिला है। उसके शरीर पर गोलियों सहित चोट के कई निशान पाए गए हैं। उसके मोबाइल में गाजा में भुखमरी और वहां के लोगों पर हो रहे अत्याचार के वीडियो भी मिले हैं।

पुलिस के मुताबिक, अली अपने 3 साथियों के साथ गाजा पीड़ितों के नाम पर मस्जिदों और दूसरे जगहों से फंड जुटाता था। फिर उन पैसों से लग्जरी लाइफस्टाइल जीते थे। अन्य 3 सीरियाई नागरिक फरार हैं। पुलिस को शक है कि वे किसी खास मकसद से अहमदाबाद में रेकी करने आए थे।

गुजरात एंटी टेररिज्म स्क्वॉड और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) के साथ मिलकर अहमदाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच सीरियाई नागरिकों के गुजरात आने के असली मकसद और उन्होंने मस्जिदों से जुटाए पैसे कहां भेजे, इसकी जांच कर रही है।

अबू धाबी से कोलकाता और फिर अहमदाबाद आए

क्राइम ब्रांच के मुताबिक, अली सहित कुल 4 सीरियाई युवक सीरिया की राजधानी दमिश्क से अबू धाबी आए थे। वहां से 22 जुलाई को टूरिस्ट वीजा पर पहले कोलकाता पहुंचे और 2 अगस्त को अहमदाबाद आए थे। ये सभी लोग केवल अरबी भाषा में बात करते थे। सीरियाई युवकों का यह ग्रुप गाजा में युद्ध के चलते भुखमरी और त्रासदी की वीडियो दिखाकर अहमदाबाद की मस्जिदों से पैसों की उगाही कर रहा था। क्राइम ब्रांच ने शहर की सभी मस्जिदों में जांच की। इस दौरान पता चला कि आरोपी ऑनलाइन और कैश, दोनों माध्यमों से फंड इकट्ठा कर रहे थे। हालांकि, वे गाजा को डोनेशन भेज रहे थे, जांच अधिकारियों को इस बात का कोई सबूत नहीं मिला। पूछताछ के दौरान, गिरफ्तारी सीरियाई नागरिक ने माना कि उसका गिरोह अमीर लाइफस्टाइल जीने के डोनेशन के नाम पर रुपए जुटा रहा था।

TMC के बाद सपा ने दिया विपक्ष को झटका

PM-CM को हटाने वाले बिल पर JPC का बहिष्कार

नई दिल्ली. मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों और प्रधानमंत्री को 30 दिन की गिरफ्तारी की स्थिति में पद से बर्खास्त करने वाले विधेयकों और संवैधानिक संशोधन पर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को शनिवार को विपक्षी दलों ने बड़ा झटका दिया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और समाजवादी पार्टी (सपा) ने इस जेपीसी का हिस्सा बनने से साफ इनकार कर दिया। टीएमसी का बहिष्कार पहले से तय माना जा रहा था, लेकिन सपा के कदम ने विपक्षी खेमे में हलचल मचा दी है। अब कांग्रेस पर भी विपक्षी एकजुटता के नाम पर दबाव बढ़ रहा है। कांग्रेस अब तक जेपीसी में शामिल होने के पक्ष में झुकी हुई थी, लेकिन सपा के रुख से पार्टी के भीतर संशय गहरा गया है।

टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने जेपीसी को सिरे से खारिज करते हुए कहा, "मोदी गठबंधन एक असंवैधानिक बिल की जांच के लिए जेपीसी बना रहा है। यह सब एक नाटक है और हमें इसे नाटक ही कहना था। मुझे खुशी है कि हमने यह कदम उठाया है।"

विधेयक की सोच ही त्रुटिपूर्ण

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी टीएमसी का साथ देते हुए कहा, "विधेयक का विचार ही गलत है। जिसने यह बिल पेश किया (गृह मंत्री अमित शाह) उन्होंने खुद कई बार कहा है कि उन पर झूठे केस लगाए गए थे। अगर कोई भी किसी पर फर्जी केस डाल सकता है तो फिर इस बिल का मतलब क्या है?"

चेतेश्वर पुजारा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर रिटायरमेंट की जानकारी दी। पुजारा ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच जून 2023 (टेस्ट) में खेला था।

उनका इंटरनेशनल करियर 15 साल का रहा। इंटरनेशनल क्रिकेट में पुजारा ने साल 2010 में डेब्यू किया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेंगलुरु में डेब्यू किया था, जो कि एक टेस्ट मैच था।

टेस्ट क्रिकेट में पुजारा ने 103 मैच की 176 पारियों में 43.60 की औसत से 7,195 रन बनाए। इस दौरान 19 शतक और 35 अर्धशतक लगाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर 206* रन रहा है।

हालांकि, वनडे में उन्होंने 5 मैच खेले और 10.20 की औसत के साथ कुल 51 रन बनाए थे, जिसमें उनका बेस्ट 27 रन था। वे कोई टी-20 इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेल सके थे।

हर अच्छी चीज का अंत होता है

पोस्ट में लिखा, भारतीय जर्सी पहनना, राष्ट्रगान गाना और मैदान पर हर बार अपना बेस्ट प्रदर्शन करना एक ऐसा अनुभव था जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। लेकिन जैसा कि कहते हैं, हर अच्छी चीज का अंत होता है। मैं दिल से आभारी हूं और सभी फॉर्मेट से क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला लिया है।

मैं सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं

पुजारा ने लिखा, मैं BCCI और सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन को मेरे क्रिकेट करियर में मिले अवसर और समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं उन सभी टीमों, फ्रेंचाइजी और काउंटी टीमों का भी आभारी हूं जिनका मैं इतने सालों में प्रतिनिधित्व कर पाया हूं। मैं अपने गुरुओं, प्रशिक्षकों और आध्यात्मिक गुरु के अमूल्य मार्गदर्शन के बिना यहां तक नहीं पहुंच पाता। मैं उनका सदैव ऋणी रहूंगा।

गगनयान मिशन के लिए पहला हवाई ड्रॉप टेस्ट पूरी तरह सफल

बेंगलूरु. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने गगनयान मिशन के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। इसरो की ओर से पहला हवाई ड्रॉप टेस्ट (IADT-01) पूरी तरह सफल रहा, जिसमें पैराशूट की मदद से अंतरिक्ष यान की गति कम करने की तकनीक को आजमाया गया। इस टेस्ट में भारतीय वायु सेना, डीआरडीओ, नौसेना और तट रक्षक बल ने भी मदद की। इसरो ने सोशल मीडिया पर बताया कि यह टेस्ट कई संगठनों के सहयोग से पूरा हुआ।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि गगनयान मिशन के लिए रॉकेट (HLVM3) का निर्माण और जमीन पर टेस्ट पूरा हो चुका है। अंतरिक्ष यान के क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल के इंजन बनाए और टेस्ट किए जा चुके हैं। क्रू को बचाने के लिए 5 तरह के मोटर तैयार किए गए और उनका टेस्ट भी हो गया। साथ ही, मिशन के लिए कई सुविधाएं जैसे तैयारी केंद्र, नियंत्रण कक्ष, क्रू ट्रेनिंग सेंटर और नया लॉन्च पैड बनाया गया है। पहले बिना इंसान वाले मिशन (G1) के लिए क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल तैयार हैं और उनकी शुरुआती जांच पूरी हो चुकी है।

पत्नी को जिंदा जलाने वाले आरोपी का एनकाउंटर

पुलिस ने कहा- मेडिकल कराने के दौरान भागने की कोशिश की, पैर में गोली लगी

नई दिल्ली. नोएडा में दहेज के लिए एक शख्स ने बेटे के सामने पत्नी को जिंदा जला दिया। महिला की शादी 9 साल पहले हुई थी। आरोपी पत्नी पर घरवालों से 35 लाख रुपए लाने का दबाव बना रहा था, लेकिन महिला ने मना कर दिया। इसके बाद महिला के पति और उसकी सास ने उसे लात-घूसों से पीटा।

महिला छोड़ने के लिए गिड़गिड़ाती रही, लेकिन उन्होंने उसकी एक न सुनी। पति ने उस पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। महिला की बहन ने बचाने और वीडियो बनाने की कोशिश की तो आरोपी ने उसे भी पीटा।

वीडियो में महिला छटपटाते हुए सीढ़ियों से नीचे की ओर भागती दिख रही है। उसकी चीख सुनकर पड़ोसी पहुंचे। कंबल डालकर आग बुझाई और उसे फोर्टिस अस्पताल लेकर गए। डॉक्टरों ने महिला की हालत देखते हुए दिल्ली के अस्पताल रेफर कर दिया।

22 अगस्त को महिला की मौत हो गई। महिला की बहन की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर 23 अगस्त को पति को गिरफ्तार कर लिया। रविवार को आरोपी पति विपिन को पुलिस मेडिकल के लिए जिला अस्पताल ले जा रही थी। इसी दौरान आरोपी दरोगा की पिस्टल लेकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा करके आरोपी को सिरसा चौराहे के पास पैर में गोली मारकर पकड़ लिया। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

संक्षेप...

सुंदरकांड पाठ की चौपाई सुनकर भक्त हुए भावविभोर

ठाणे. ठाणे शहर स्थित न्यू आरटीओ ऑफिस परिसर में दुर्गा माता मंदिर के प्रांगण में सुंदरकांड पाठ की चौपाई देवीपुज पद कमल तुम्हारे,सुर नर मुनि सब होई सुखारे सुनकर भक्त हुए भावविभोर। सुंदर कांड व भजन गायक विपिन दूबे (पिंकू) , प्रमोद गुप्ता, सन्तोष तिवारी, रवि पाण्डेय ने किया पाठ।श्री दुर्गा माता मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष अरविन्द तिवारी व रवींद्र तिवारी ने आए हुए सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

भिवंडी शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध

भिवंडी. भिवंडी शहर में हैवी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाए जाने की अधिसूचना पंकज शिरसाट, पुलिस उपायुक्त, यातायात विभाग, ठाणे शहर द्वारा जारी की गई है. अधिसूचना जारी होने से शहर में हैवी वाहनों का आवागमन रुकने से ट्रैफिक की भारी समस्या का समाधान होने के आसार भिवंडीकरों को दिखाई पड़ने से खुशी फैली है.

भारी वाहनों के प्रवेश पर लगा प्रतिबंध

भिवंडी शहर में गुजरात वाडा से आने वाले और नासिक मुंबई अंजुरफाटा की ओर जाने वाले सभी प्रकार के भारी वाहनों (छह पहिया वाहनों) के लिए वंजारपट्टी नाका फ्लाईओवर से भिवंडी शहर में प्रवेश 'स्थायी रूप से बंद' किया जा रहा है. उक्त भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से जोड़ा गया है. वाहन वंजारपट्टी पुल से बाएं मुड़ेंगे और मुंबई-नासिक राजमार्ग पर वडपे के रास्ते चाविन्द्रा होते हुए वांछित गंतव्य की ओर बढ़ेंगे.

वसई अंजुरफाटा जाने वाले वाहन चाविन्द्रा से नासिक मुंबई राजमार्ग होते हुए मनकोली नाका होकर अपने गंतव्य तक जाएंगे.

कल्याण और मुंबई से वाडा गुजरात जाने वाले सभी प्रकार के भारी वाहनों (छह पहिया) के लिए राजनोली नाका पर प्रवेश स्थायी रूप से बंद किया जा रहा है. उक्त

वाहन वडपे से मुंबई नासिक राजमार्ग पर राजनोली नाका से बाएं मुड़ेंगे और चाविन्द्र वंजारपट्टी ब्रिज के माध्यम से वाडा गुजरात की ओर गंतव्य तक जाएंगे.

अंजुरफाटा के रास्ते वाडा गुजरात या नासिक की ओर जाने वाले सभी प्रकार के भारी वाहनों (छह पहिया वाहन) को अंजुरफाटा में 'स्थायी रूप से बंद' किया जा रहा है.उक्त वाहन अंजुरफाटा से मानकोली होते हुए मुंबई नासिक महामगनी होते हुए अपने गंतव्य तक जाएंगे. वाडा गुजरात की ओर जाने वाले वाहन वडपे चाविन्द्र वंजारपट्टी उड़ान पुल होते हुए अपने गंतव्य तक जाएंगे.

तलवली नाका से भिवंडी शहर में प्रवेश करने वाले सभी प्रकार के भारी वाहनों (छह पहियों से अधिक) को 'स्थायी रूप से बंद' किया जा रहा है. उक्त वाहन तलवली नाका से खोनीगांव परोल फाटा राजमार्ग होते हुए अपने गंतव्य स्थान तक जाएंगे. वंजारपट्टी उद्दनपुला से चाविन्द्रा होते हुए नासिक जाएंगे.

अधिसूचना का उल्लंघन करने वाले मोटर वाहन चालक के विरूद्ध मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 179(1) अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी. अधिसूचना 23/08/2025 से अगले आदेश तक लागू रहेगी.

इमरजेंसी वाहनों पर प्रतिबंध नहीं..

यह अधिसूचना अग्निशमन वाहनों, एम्बुलेंस, पुलिस वाहनों और अन्य आवश्यक सेवा वाहनों पर लागू नहीं होगी.

भिवंडी हादसे के लिए रांग साइड से आने वाले बाइक सवार जिम्मेदार

भिवंडी. शुक्रवार रात्रि को सिराज अस्पताल के पास सड़क दुर्घटना में डा. नसीम अंसारी की हुई दर्दनाक मौत में नया एंगल सामने आया है. सिराज अस्पताल के पास लगी हुई सीसीटीवी से मिली फुटेज के अनुसार, सिराज अस्पताल के पास से एक्टिवा सवार डा. नसीम अंसारी रात को गुजर रहे थे. उसी दौरान रांग साइड से बाइक सवार 2 युवक अचानक आते दिखाई पड़ रहे हैं. अकस्मात गलत साइड से आए बाइकर से बचाव की खातिर डा. नसीम अंसारी अपनी सुरक्षा की खातिर हड़बड़ाहट में असंतुलित होकर एक्टिवा से सड़क पर गिरते दिखाई पड़ रहे हैं. सड़क पर अचानक गिर

पड़े डा. अंसारी गुजरते हुए ट्रक की पिछली पहिया के नीचे दब गए जिससे उनकी मौत घटनास्थल पर हो गई. लोगों की मांग है कि हादसे के जिम्मेदार रांग साइड से आने वाले बाइक सवार युवकों की तलाश कर निजामपुर पुलिस को आपराधिक मामला दर्ज करना चाहिए. निजामपुर पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है.

राकांपा के चिकित्सा प्रकोष्ठ की नियुक्तियों की घोषणा

सैकड़ों कार्यकर्ता पार्टी में शामिल

ठाणे. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महाराष्ट्र राज्य के उपमुख्यमंत्री अजितदादा पवार, प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे, राज्य महिला आयोग अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष रूपालीताई चाकणकर के मार्गदर्शन में मुख्य प्रवक्ता एवं प्रदेश महासचिव आनंद परांजपे और ठाणे जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश महासचिव नजीब मुल्ला के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र प्रदेश चिकित्सा सहायता प्रकोष्ठ प्रमुख जितेंद्र सातव के आदेशानुसार ठाणे और शाहपुर तहसील में चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की नियुक्तियों की घोषणा की गई। रोहन जाधव को ठाणे अध्यक्ष, सुभाष चोखंडे शाहपुर अध्यक्ष चुना गया।अजितदादा पवार की विचारधारा में विश्वास करते हुए कलवा, मुंब्रा, ओवला,माजीवाड़ा, कोपरी आदि से सैकड़ों कार्यकर्ता पार्टी में शामिल हुए, जिनमें प्रीतम सिंह, अभिषेक चव्हाण, रूपेश, प्रथमेश, प्रमोद, अनिल, स्वप्निल,

सागर, अश्विन, प्रशांत, अंजलि, आदेश, रवींद्र, विजय, रूपेश, मनीष, अंकित आदि शामिल थे।इस अवसर पर रोहन जाधव को चिकित्सा प्रकोष्ठ का ठाणे शहर अध्यक्ष और डॉ. स्वप्निल पाडाले को चुना गया, प्रणय माने महासचिव, अजय गायकवाड़ संयुक्त सचिव, विजय करके कलवा-मुंब्रा प्रभाग अध्यक्ष, हसनानन शमशुद्दीन शाह को कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया।कलवा अध्यक्ष विशाल तेलोरे ओवला माजिवड़ा अध्यक्ष कल्पना भोईर कोपरी-पाचपखाड़ी विधानसभा अध्यक्ष ईश्वर गुप्ता, मोहसिन बेग सोशल मीडिया समन्वयक नियुक्त।इब्राहिम शमीम खान को एम्बुलेंस संपर्क प्रमुख, सुभाष संजय चोखंडे को शाहपुर तहसील चिकित्सा सहायता सेल अध्यक्ष, सनी सोलसे को नियुक्त किया गया उपाध्यक्ष।डॉ. दीप्ति पाश्ते को कार्यकारी अध्यक्ष, राजेंद्र सदगीर को महासचिव,अंजलि शिवड़े को रक्तदान समन्वयक, सुनील कारवार को एम्बुलेंस सेवा समन्वयक नियुक्त किया गया।

'वोट चोरी' के खिलाफ कांग्रेस का मशाल मोर्चा

ठाणे. वरिष्ठ कांग्रेस नेता सांसद राहुल गांधी ने ठोस सबूतों के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हुए घोटालों को उजागर किया है। 'वोट चोरी' और इसमें चुनाव आयोग और भाजपा की कथित भूमिका के विरोध में शनिवार को ठाणे शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी द्वारा एक मशाल मोर्चा का आयोजन किया गया था। यह मोर्चा ठाणे कांग्रेस केंद्रीय कार्यालय से शुरू हुआ और मार्केट रोड होते हुए ठाणे स्टेशन स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के पास संपन्न हुआ।मोर्चा में भाग लेने वाले पदाधिकारियों ने 'गली गली में शोर है, मोदी सरकार चोर है' और 'वोट चोर गड्डी छोड़' जैसे नारे लगाए। यह मशाल मोर्चा शहर अध्यक्ष एडवोकेट विक्रांत चव्हाण के नेतृत्व में निकाला गया। इस समय बोलते हुए, चव्हाण ने कहा कि यह चुनाव आयोग प्रणाली का दुरुपयोग करके भारतीय जनता पार्टी द्वारा रची गई एक राजनीतिक साजिश है और यह लोकतंत्र पर हमला है। लेकिन कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और मतदाताओं को सम्मान और न्याय दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी। इस मोर्चा में ठाणे कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राहुल पिंगले के साथ डॉ जे.बी. यादव, भालचंद्र महादडीक, अनीस कुरैशी, महेंद्र म्हात्रे, हिंदूराव गालवे, निशिकांत कोली, रवि कोली, स्मिता वैती, शिरीष घरात, अजिंक्य भोईर, संगीता कोटल, विनीत तिवारी, आशीष गिरी, राजू शेट्टी, नीलेश पाटिल, अंजनी सिंह, जयेश परमार, सुरेश भोईर समेत अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

गुरु स्वागत में उमड़ा जन सैलाब

उल्हास विकास संवाददाता

मुंबई। वशिष्ठ फाउंडेशन मुंबई शाखा द्वारा गुरु स्वागत व पूजन समारोह का भव्य आयोजन मलाड पूर्व के दत्त मंदिर रोड स्थित शारदा ज्ञान पीठ इंटरनेशनल स्कूल में 23 अगस्त शनिवार को किया गया था, जिसमें अयोध्या धाम के गुरु पीठ वशिष्ठ पीठाधीश्वर तीन कलश तिवारी मंदिर के महंत व अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी और उनकी धर्म पत्नी राजलक्ष्मी का उनके शिष्यों द्वारा गुरु परंपरा के तहत स्वागत किया गया।

बता दें कि महंत गिरीश पति त्रिपाठी अयोध्या के महापौर भी हैं। उन्होंने भगवान पुरुषोत्तम श्रीराम के बारे में प्रकाश डाला और कहा कि दृष्टि संपन्नता के लिए भगवान की कृपा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान राम का नाम लेने से मानव का कल्याण हो जाता है। रामलला की चर्चा करते हुए कहा कि मैं नसीब वाला हूं जिन्हें भगवान की सेवा का मौका मिला है। महंत त्रिपाठी ने अपनी संस्कृति की भी चर्चा की।

इस समारोह के आयोजन में संरक्षक राजेंद्र प्रसाद पांडेय,आर के (सुरेश दुबे), विजय शुक्ल, विकास पांडेय, कुश्म कुमार ओझा, महेश उपाध्याय, आत्माराम मिश्र, वसंत शुक्ल, रवि शुक्ल, राममिलन पाण्डेय,कृष्ण देव शुक्ल, हरीश मिश्र , कृष्ण देव शुक्ल सहित अन्य शिष्यों का मुख्य योगदान है।

इस अवसर पर महंत की धर्म पत्नी राजलक्ष्मी त्रिपाठी ने कहा कि अपनी संस्कृति पर गर्व रहे और पिछले पायदानों पर पड़े लोगों को भी अपने साथ जोड़ें और अपने धर्म की रक्षा के लिए आगे आएं।

अनधिकृत निर्माण पर रोक लगाने के लिए विशेष दल का गठन

मनपा आयुक्त सौरभ राव ने दिए निर्देश

ठाणे. अनधिकृत निर्माण पर रोक लगाने के लिए, ठाणे नगर आयुक्त सौरभ राव ने दिवा और मुंब्रा क्षेत्रों की निगरानी के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की एक विशेष टीम बनाने के निर्देश दिए हैं।दिवा और मुंब्रा क्षेत्रों में अनधिकृत निर्माण की शिकायतें अधिक हैं।आयुक्त राव ने स्पष्ट किया कि इसकी जाँच और निगरानी के लिए यह विशेष दल गठित किया जाएगा।गणेशोत्सव के दौरान अनधिकृत लेकिन आवासीय भवनों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन अनधिकृत निर्माणों के विरुद्ध

कार्रवाई जारी रहेगी जो आधिकारिक रूप से निर्माणाधीन हैं, जहाँ कोई नहीं रहता है और जो व्यावसायिक प्रकृति के हैं।मनपा आयुक्त राव ने शनिवार को विभाग प्रमुखों की एक बैठक में मनपा क्षेत्र में इस कार्रवाई की समीक्षा की।इस बैठक में अतिरिक्त आयुक्त (1) संदीप मालवी,अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे, परिवहन प्रबंधक भालचंद्र बेहरे, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी दिलीप सूर्यवंशी, नगर नियोजन के सहायक निदेशक संग्राम कनाडे सहित विभागाध्यक्ष, सभी उपनगर अभियंता, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, कार्यपालक अभियंता उपस्थित थे। उपायुक्त (मुख्यालय) जी. जी. गोदापुरे ने कर्मयोगी पोर्टल, 150 दिवसीय कार्यक्रम आदि पर प्रस्तुतीकरण दिया। उपायुक्त शंकर पटोले ने अनाधिकृत निर्माणों के विरुद्ध की गई कार्रवाई की जानकारी दी। वहीं, मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान ने गणेश प्रतिमा कार्यशाला एवं विसर्जन व्यवस्था की जानकारी दी। उच्च न्यायालय ने अनाधिकृत निर्माणों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। तदनुसार, सभी वार्ड समिति क्षेत्रों में कार्रवाई की जा रही है। अब तक 227 निर्माणों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है और 24 मामले दर्ज किए गए हैं। आयुक्त राव ने यह भी निर्देश दिया कि इस कार्य में बाधा डालने वालों के विरुद्ध शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया जाए।

विसर्जन व्यवस्थाओं की समीक्षा

इस बैठक में आयुक्त राव ने गणेशोत्सव के आयोजन और विसर्जन व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। इस वर्ष उच्च न्यायालय के आदेशानुसार, छह फुट तक ऊँची सभी मूर्तियों का विसर्जन कृत्रिम तालाबों में किया जाएगा। इसलिए, कृत्रिम तालाबों की संख्या बढ़ा दी गई है।साथ ही मोबाइल विसर्जन दलों की संख्या बढ़ाने की व्यवस्था की गई है और मोबाइल विसर्जन दल बड़े आवासीय परिसरों में जाएँगे, इसलिए आयुक्त राव ने नागरिकों से इसका लाभ उठाने की अपील की।

जर्जर इमारतों को खाली करवाने के लिए निर्देश

जिन इमारतों में नागरिक अभी भी उच्च जोखिम वाली इमारतों में रह रहे हैं, उन्हें तुरंत खाली कराकर सील कर दिया जाना चाहिए। आयुक्त राव ने फिर स्पष्ट किया कि नागरिकों को यह विश्वास दिलाया जाना चाहिए कि उनका कब्ज़ा निवासियों को वापस कर दिया जाएगा।

फेक समझकर ब्लॉक किया गया श्रद्धा कपूर का अकाउंट

- कहा- अपना ही अकाउंट यूज नहीं कर पा रही
- लिंक्डइन को लगता है ये फेक है

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने हाल ही में लिंक्डइन में अपना अकाउंट बनाया था, लेकिन इसे फेक समझकर ब्लॉक कर दिया गया है। अब एक्ट्रेस ने साफ किया है कि वो अकाउंट उनका था, लेकिन फेक घोषित किए जाने के बाद लोगों को उनकी प्रोफाइल नहीं दिख रही है।

श्रद्धा कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से स्टोरी पोस्ट कर लिखा है, ₹डियर लिंक्डइन, मैं अपना ही अकाउंट इस्तेमाल नहीं कर पा रही हूं क्योंकि लिंक्डइन को लगता है कि यह फेक है। क्या कोई मेरी मदद कर सकता है। अकाउंट बना हुआ है, प्रीमियम और वेरिफाइड भी है लेकिन कोई उसे देख नहीं पा रहा। मैं अपनी उद्यमशीलता की जर्नी शेयर करना चाहती हूं, पर अकाउंट शुरू करना ही अपने आप में एक जर्नी बन गया है।₹

बताते चलें कि श्रद्धा कपूर एक कामयाब एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक आंत्रप्रन्योर भी हैं। वो जूलरी ब्रांड पल्मोनास की को-फाउंडर हैं। वो अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी ब्रांड प्रमोट करती नजर आती हैं। एक्ट्रेस ने बताया था कि उन्होंने पल्मोनास ब्रांड से इतनी ज्यादा शॉपिंग की कि उन्हें इसी ब्रांड का को-फाउंडर बना लिया गया था। ये ब्रांड 2022 में पल्लवी मोहादिकर ने शुरू की थी।

फिल्मी करियर की बात करें तो श्रद्धा कपूर आखिरी बार साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म स्त्री 2 में नजर आई हैं। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव लीड रोल में थे। फिल्म ने 800 करोड़ से ज्यादा का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया था और जबरदस्त हिट रही थी।

आने वाले दिनों में एक्ट्रेस स्त्री 3 में नजर आएंगी, जो 2027 तक रिलीज हो सकती है। इसमें उनके साथ अक्षय कुमार भी नजर आने वाले हैं। इसके अलावा वो भेड़िया 2 और मेडॉक फिल्म्स की अपकमिंग हॉरर कॉमेडी फिल्म का भी हिस्सा हैं।

भिवंडी में गड्ढा दुरुस्ती जोरों से शुरू

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भारी बरसात की वजह से शहर की सड़कों पर हुए असंख्य गड्ढों की दुरुस्ती का कार्य भिवंडी मनपा बांधकम विभाग द्वारा जोरों से शुरू कर दिया है.विगत सप्ताह से शुरू हुई भारी बरसात की वजह से सड़कों के किनारे और बीच में हुए गड्ढों की दुरुस्ती का कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया गया है. धामणकर नाका चौक, धामणकर नाका से पुराना आगरा रोड, बंजार पट्टी नाका, धामणकर नाका फ्लाईओवर, वराला देवी विसर्जन घाट, भादवड़ घाट, नदी नाका, तिलक घाट घाट,चाविंद्रा

सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर हुए गड्ढों की दुरुस्ती का कार्य डामरीकरण, पेवर ब्लाक, कोल्ड मिक्स तरीके से किया जाना शुरू है. मनपा बांधकम विभाग सूत्रों की मानें तो, मनपा प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर के आदेशानुसार, मनपा क्षेत्र प्रभाग 1से 5 अंतर्गत

शहर की तमाम सड़कों पर हुए गड्ढों की दुरुस्ती का विधिवत नियोजन कर दुरुस्ती कार्य शुरू हो गया है. आगामी सप्ताह में सड़कों पर हुए तमाम गड्ढों की दुरुस्ती बेहतर तरीके से हो जाएगी.

विदित हो कि,भारी बरसात के कारण शहर की अधिसंख्यक सड़कों पर गड्ढों का साम्राज्य फैला है. शहर की अधिसंख्यक सड़कों पर चलना जान जोखिम में डालने के समान है. गड्ढों में गिरकर हादसे और ट्रैफिक जाम का भयंकर दुख भिवंडी करों को भोगना पड़ा है. आगामी गणपति पर्व तक शहर की तमाम प्रमुख सड़कों पर हुए गड्ढों की दुरुस्ती होने से लोगों की तकलीफ कम होने के आसार दिखाई पड़ने लगा है.

मनपा द्वारा गणपति त्यौहार के पूर्व सड़कों के गड्ढों की दुरुस्ती शुरू करने से नागरिकों को ट्रैफिक संकट से राहत मिलने की आस हो गई है.

भिवंडी में 2 प्लंबरों पर पानी चोरी का मामला दर्ज

भिवंडी. ठाणे रोड केसर बाग परिसर में पलंबर द्वारा पानी चोरी कर विक्री किए जाने का खुलासा हुआ है.

जलापूर्ति कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, भोईवाड़ा क्षेत्र में प्लंबर शमीम शेख और समीर खान ने मनपा जलापूर्ति विभाग की।परमिशन चोरी से जलापूर्ति पाइप में छेद कर आधा इंच व्यास वाले 16 नलों के अनधिकृत कनेक्शन ले लिए थे.पानी चोरी से मनपा जलापूर्ति विभाग को 56 हजार 800 रुपये का नुकसान हुआ. जलापूर्ति विभाग कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर की शिकायत पर दोनों पलंबरों के खिलाफ भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 324(4), 326 (सी), 303 (2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है.

उक्त कार्रवाई माननीय प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर के आदेश पर कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावार द्वारा जल आपूर्ति विभाग के मार्गदर्शन में, उप अभियंता सरफराज अंसारी के नेतृत्व में,वाटर टास्क फोर्स प्रमुख विराज भोईर, टीम प्रमुख,नफीस मोमिन आदि कर्मी शामिल थे.

PUBLIC NOTICE

This Public Notice is being issued on behalf of my clients, Mr. Mukund Bulchandani and Mrs. Simran Bulchandani, who hereby clarify, declare, and state as under:

That my clients have no connection, relationship, association, or dealings whatsoever with Mr. Tarun Hansraj Bulchandani.

That any liabilities, debts, or financial obligations incurred by Mr. Tarun Hansraj Bulchandani are solely his personal obligations. My clients are not in any manner liable, responsible, or answerable for the same.

That if any liability has been incurred, represented, or undertaken by him in the name of my clients, my clients categorically state that they have never authorised, consented to, or acknowledged the same, and they shall not be bound thereby in any manner whatsoever.

That my clients reiterate and declare that they hold no relation with Mr. Tarun Hansraj Bulchandani in any capacity.

The public at large is hereby cautioned and requested not to cause any disturbance, harassment, interference, or nuisance to my clients in connection with the acts, omissions, or liabilities of Mr. Tarun Hansraj Bulchandani. Any act of causing trauma, distress, harassment, or defamation—whether physical, mental, social, digital, or through any social media platform—shall render such person(s) liable for strict civil and criminal legal action under the provisions of the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023, as well as other applicable laws in force, without any further notice, intimation, or warning.

Sd/-
Pawan L. Jaichandani
Advocate High Court
Office No. 1, Moonstar Building, Opp. Gurprasad Building, Near Gun Geet Hospital, Ulhasnagar 5, 421005
Mob: - 9049868586. Email: - adv.cs.pawan@gmail.com

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099